

साँवरे पे. अरा. रा रा. रावरे पे  
 सखियाँ दीवानियाँ  
 नहीं शरमायें. हिल मिल के बतायें  
 कह-कह के सुनायें सबको  
 अपनी प्रेम कहानियाँ ॥२॥  
 हुई सखियाँ दीवानियाँ ॥२॥

साँवरे पे-----

वो कदम के नीचे. खड़ा क्यों आँखें मीचे  
 धुन प्यारी मुरलियाँ. तू सुना के खींचे  
 हाई जवानियाँ

नहीं शरमायें-----

ना रो को डगरिया-मेरे बैरी संवरिया  
 मोपे लागी नजरिया-लेगी सास खबरिया  
 लड़ेगी जितानियाँ

नहीं शरमायें-----

किया खूब बहाना- बता दे अपना ठिकाना  
 "श्री बाबा श्री" क्यों इतने रुठे  
 प्रीत की रीत न जाना

दोड़ी निशानियाँ

अब शरमाऊँ किस- किस को बताऊँ

कैसे- कैसे मैं सुनाऊँ- सबको

तेरी वो कहानियाँ ॥२॥

दोड़ी हैं निशानियाँ ॥२॥

दोड़ी वो निशानियाँ ॥२॥